प्रेस विज्ञप्ति

भूमध्य रेखा पुरस्कार,2017 के लिये 806 नामांकित संस्थाओं मे से 15 विजेताओं मे से एक के रूप मे कंचन सेवा आश्रम को चुना गया है।

भूमध्य रेखा पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की अगुवाई वाली एक साझीदारी है, जो ग्रामीण क्षेत्रों मे स्थानीय व स्वदेशी समूहों पर केंद्रित है, खाद्य सुरक्षा, जल संरक्षण, स्थानिय व स्थायित्व आजीविका, जलवायु अनुकूलन व आपदा जोखिम मे कमी इत्यादि के क्षेत्र में पुर्नस्थापना या स्थायी रूप से नये संसाधन/नवीन शोध के क्षेत्र मे प्रदान किया जाता है।

स्वयं शिक्षण प्रयोग को सितम्बर,2017 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा मे भूमध्य रेखा पुरस्कार,2017 से सम्मानित किया जायेगा।

स्वयं शिक्षण प्रयोग का चयन भारत के मराठवाड़ा क्षेत्र के बीस हजार महिलाओं को कुशल किसानों और कुशल समाजिक नेतृत्कर्त्ता के रूप मे विकसित करने तथा उनके द्वारा जलवायु परिवर्तशीलता अनुकुलन कुर्षि पारिस्थितिक पद्वति के क्षेत्र की अगुवाई करने के लिये किया गया है।

स्वयं शिक्षण प्रयोग के कार्यकारी निदेशक श्रीमती प्रेमा गोपालन ने कहा कि यह मॉडल खाद्य सुरक्षा, आय बृद्वि व सुरक्षा, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और महिला सशक्तिकरण के मुद्दों को एक साथ संबोधित करता है।

स्वयं शिक्षण प्रयोग अग्रणी समाजिक संगठन है जो निरंतर सीखने की प्रक्रिया मे विश्वास करती है, संस्था अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये पिछले दो दशक से अधिक समय से महिलाओं के सशक्तिकरण के माध्यम से स्थायी समुदाय के विकास को बढ़ावा देता है, संस्था के पहल से महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, उड़ीसा व असम के ग्रामीण क्षेत्रों मे चालीस लाख महिलाओं और समुदाय के लोगों को लाभान्वित किया गया है।

स्वयं शिक्षण प्रयोग महिला किसानों, महिला उद्यमियों, महिला नेतृत्वकर्ताओं के नेटवर्क को विकसित कर स्थायित्व समुदायिक विकास को बढ़ावा दिया है और ईको सिस्टम, समाजिक उद्यमी, और कई तरह के कौशल जैसे वित, उद्यम, कृर्षि, पोषण तथा कम आय वाले समुदाय मे स्वाथ्य मे बृद्धि के अवसर प्रदान करते है।

किसी भी अन्य जानकारी के लिये संपर्क करें श्री प्रसाद कुलकर्णी :– 91–7030293825 prasadkulkarni@gmail.com